प्रश्नावली

अखिलेश कुमार पांडेय, शोध छात्र,
डॉ सुरेश नागर, शोध निदेशक
स्कूल ऑफ़ लॉ , मोनाड यूनिवर्सिटी, हापुड़

शोधकर्त्ता द्वारा "**आधुनिक भारत में सोशल मीडिया में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का आलोचनात्मक अध्ययन**" करना चाहता है। इस विषय पर शोध के लिए शोधकर्त्ता द्वारा निम्नलिखित प्रश्नावली तैयार की गई है। प्रश्नावली में ओपन एंडेड के साथ-साथ क्लोज-एंडेड प्रश्न शामिल किये गए हैं जो तदनुसार भरे जा सकते हैं। **(यानी फोर ओपन-एंडेड प्रश्न, कृपया अपनी व्यक्तिगत राय दें क्लोज एंडेड प्रश्न, कृपया दिए गए विकल्पों में से एक का चयन सवाल के खिलाफ करें)।** आपके द्वारा प्रदान की गई जानकारी का उपयोग शोधकर्त्ता द्वारा केवल शोध उद्देश्य के लिए किया जाएगा और इसके लिए उपरोक्त विषय पर आपके द्वारा प्रदान की गई जानकारी व विवरण गुप्त रखा जाएगा।

प्रश्नवली का उद्देश्य

शोधकर्ता आधुनिक भारतीय समाज में 'सोशल मीडिया' में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से संबंधित कानूनों के प्रदर्शन के साथ-साथ ब्रॉडकास्ट मीडिया में पेड न्यूज, सोशल मीडिया पर हेट स्पीच और दुष्प्रचार जैसी उभरती हुई बुराइयों की जानकारी और जागरूकता का अध्ययन तथा अपने सुझाव प्रदान करना चाहता है ।

व्यक्तिगत विवरणः

(क) नामः (ख) आयुः

(ग) लिंगः पुरुष/महिला (घ) योग्यताः

(ड.) निवास स्थान: **शहरी / ग्रामीण / अर्ध शहरी** (च) व्यवसायः

(ए) प्रिंट मीडियाः

1. आप कौन से समाचार पत्र पढ़ना पसंद करते हैं?

(ए) अंग्रेजी (सी) क्षेत्रीय

(बी) हिंदी (डी) कोई भी

2. क्या समाचार पत्रों के पास न्यूज चैनल के सापेक्ष तथ्यों का अधिक प्रामाणिक संस्करण है?

हां /नहीं

3. (क) क्या आप प्रिंट मीडिया को शासित करने वाले किसी कानून/निकाय के बारे में जानते हैं?

हां /नहीं

(ख) यदि हां, तो कृपया नाम/नामों का उल्लेख करें।

.....

.....

(बी) इलेक्ट्रॉनिक मीडिया

4. आप कौन से समाचार चैनल देखना पसंद करते हैं?

(ए) अंग्रेजी (सी) क्षेत्रीय

(बी) हिंदी (डी) कोई भी

5. क्या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर किसी भी समाचार का चौबीसो घंटे फॉलो-अप होता है, नए तथ्य खोजने में मीडिया की मदद इलेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा की जाती है?

हां /नहीं

6. (ए) क्या आप इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को नियंत्रित करने वाले किसी कानून/ निकाय के बारे में जानते हैं?

हां /नहीं

(ख) यदि हां, तो कृपया नाम/नामों का उल्लेख करें।

.....

.....

(सी) सोशल मीडिया

7. क्या आप सोशल मीडिया के सक्रिय उपयोगकर्ता हैं?

हां /नहीं

8. आप किस-किस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं?

(ए) फेसबुक (बी) ट्विटर (सी) इंस्टाग्राम (डी) व्हाट्सएप (ई) लिंक्डइन

(ऍफ़) यूट्यूब (जी) अन्य (कृपया निर्दिष्ट करें)

9. आप प्रति दिन औसतन कितने घंटे सोशल मीडिया पर बिताते हैं?

(ए) 1 घंटे से कम (बी) 1-2 घंटे (सी) 2-3 घंटे

(डी) 3-4 घंटे (ई) 4 घंटे से अधिक

10. आप सोशल मीडिया का उपयोग किन उद्देश्यों के लिए करते हैं?

(ए) अवकाश गतिविधि (सी) दोस्तों और परिवार से संपर्क करना

(बी) समाचार और जानकारी प्राप्त करना (डी) उपरोक्त सभी

(ई) मनोरंजन (ऍफ़) पेशेवर नेटवर्किंग

(जी) अपने विचार और राय साझा करना

11. क्या आप ऑनलाइन जनमत सर्वेक्षणों, ट्वीट्स आदि में भाग लेते हैं?

हां /नहीं

12. क्या आप सोशल मीडिया को नियंत्रित करने वाले किसी कानून/निकाय के बारे में जानते हैं?

हां /नहीं

(ख) यदि हां, तो कृपया नाम/नामों का उल्लेख करें।

.....

.....

(डी) मीडिया के सभी 3 रूपों से संबंधित प्रश्न

13 . करंट अफेयर्स के बारे में सूचना प्राप्त करने के लिए आप किस प्रकार के मीडिया को पसंद करते हैं ?

(ए) प्रिंट मीडिया (सी) इलेक्ट्रॉनिक मीडिया

(बी) सोशल मीडिया (डी) उपरोक्त सभी

(ई) उपरोक्त में से कोई नहीं

14 . मीडिया विनियमन का सबसे उपयुक्त रूप कौन सा है?

(ए) बाहरी शरीर द्वारा (सी) बाहरी और आंतरिक दोनों विनियमन

(बी) आंतरिक रूप से (डी) कोई विनियमन नहीं

15 . क्या आप 'पेड न्यूज' शब्द से अवगत हैं?

हां / नहीं

16. क्या आप 'मीडिया परिक्षण' शब्द से अवगत हैं?

हां /नहीं

17. क्या आप 'स्टिंग ऑपरेशन' शब्द से अवगत हैं?

हां / नहीं

18. क्या आपने कभी निम्नलिखित में से किसी में भाग लिया है?

(ए) बहस (सी) जनमत सर्वेक्षण

(बी) टॉक शो (डी) उपरोक्त सभी

(ई) उपरोक्त में से कोई नहीं

19. कृपया भागीदारी का अपना अनुभव साझा करें। यानी का विषय डिबेट/ टाकशो / ओपिनियन पोल और क्या आप पूरी तरह से अपने आप को व्यक्त कर सकते हैं

हां / नहीं

20. भारत के संविधान का अनुच्छेद 19(1)(ए), अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को दी जाने वाली सुरक्षा की सीमा क्या होनी चाहिए

(ए) विशेष रूप से अनु. 19(1)(ए) के तहत कवर किया गया

(बी) न्यायिक निर्णयों के माध्यम से निहित रूप से कवर किया गया

(सी) दोनों के माध्यम से (ए) और (बी)

(डी) न तो (ए) और न ही (बी)

21. क्या इनके अलावा कोई अतिरिक्त प्रतिबंध होना चाहिए अनुच्छेद 19(2) में वर्णित है जो प्रेस की स्वतंत्रता को सीमित करता है?

(ए) हां, अधिक प्रतिबंधों की आवश्यकता है

(बी) नहीं, केवल वही उपलब्ध हैं जो वर्तमान में पर्याप्त हैं

(सी) प्रेस की स्वतंत्रता पर कोई प्रतिबंध नहीं

(इ) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अनुभव और दृष्टिकोण

22. क्या आपको लगता है कि सोशल मीडिया पर आपकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है?

(ए) हाँ

(बी) नहीं

(सी) सुनिश्चित नहीं

23. क्या आपने कभी सोशल मीडिया पर अपने विचारों की अभिव्यक्ति के कारण किसी नकारात्मक प्रतिक्रिया का सामना किया है?

(ए) हाँ

(बी) नहीं

24. अगर हाँ, तो कृपया संक्षेप में बताएं कि किस प्रकार की नकारात्मक प्रतिक्रिया का सामना किया:

(ए) ट्रोलिंग

(बी) धमकियाँ

(सी) गाली-गलौज

25. क्या आपको लगता है कि सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सीमित करने के प्रयास हो रहे हैं?

(ए) हाँ

(बी) नहीं

(सी) सुनिश्चित नहीं

26. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आपको किन मुद्दों पर अपनी राय व्यक्त करने में संकोच होता है? (कृपया सभी लागू विकल्प चुनें)

(ए) राजनीतिक मुद्दे

(बी) धार्मिक मुद्दे

(सी) जातिगत मुद्दे

(डी) लैंगिक मुद्दे

(ई) LGBTQ+ मुद्दे

(ऍफ़) अन्य (कृपया निर्दिष्ट करें)

(ऍफ़) हेट स्पीच और दुष्प्रचार के अनुभव

27. क्या आपने कभी सोशल मीडिया पर हेट स्पीच का सामना किया है?

(ए) हाँ

(बी) नहीं

28. अगर हाँ, तो कृपया बताएं कि हेट स्पीच किस प्रकार की थी:

(ए) धार्मिक

(बी) जातिगत

(सी) लिंग आधारित

(डी) लैंगिक पहचान आधारित

(ई) अन्य (कृपया निर्दिष्ट करें)

29. क्या आपने सोशल मीडिया पर कभी फेक न्यूज़ या दुष्प्रचार का सामना किया है?

(ए) हाँ

(बी) नहीं

30. आप फेक न्यूज़ की पहचान कैसे करते हैं? (कृपया सभी लागू विकल्प चुनें)

(ए) फैक्ट-चेकिंग वेबसाइट्स का उपयोग

(बी) स्रोत की विश्वसनीयता की जाँच

(सी) अन्य लोगों की राय लेना

(डी) अन्य (कृपया निर्दिष्ट करें)

31. क्या आपको लगता है कि सोशल मीडिया कंपनियाँ हेट स्पीच और दुष्प्रचार को रोकने के लिए पर्याप्त प्रयास कर रही हैं?

(ए) हाँ

(बी) नहीं

(सी) सुनिश्चित नहीं

32. आप सोशल मीडिया पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बढ़ाने के लिए कौन-कौन से उपाय सुझाएंगे? (कृपया अपने विचार संक्षेप में बताएं)

.....

.....

33. क्या आपको लगता है कि सोशल मीडिया पर सेंसरशिप आवश्यक है?

(ए) हाँ

(बी) नहीं

34. क्या आपको लगता है कि वर्तमान में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लागू नियम पर्याप्त हैं?

(ए) हाँ

(बी) नहीं

35. क्या सोशल मीडिया कंपनियों को उपयोगकर्ताओं के डेटा की सुरक्षा के लिए अधिक कठोर नीतियाँ अपनानी चाहिए?

(ए) हाँ

(बी) नहीं

36. क्या आपको लगता है कि सरकार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर अधिक नियंत्रण होना चाहिए?

(ए) हाँ

(बी) नहीं

(सी) निश्चित नहीं

37. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर पोस्ट किए गए कंटेंट के लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए? (ए) उपयोगकर्ता

(बी) सोशल मीडिया कंपनी

(सी) सरकार

38. सोशल मीडिया पर गोपनीयता और डेटा सुरक्षा की मौजूदा नीतियों से आप कितने संतुष्ट हैं?

(ए) बहुत संतुष्ट

(बी) संतुष्ट

(सी) असंतुष्ट

(डी) बहुत असंतुष्ट

39. क्या आपको लगता है कि सोशल मीडिया ने राजनीतिक विमर्श को अधिक लोकतांत्रिक बनाया है?

(ए) हाँ

(बी) नहीं

(सी) निश्चित नहीं

40. क्या आपको लगता है कि सोशल मीडिया सेंसरशिप अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन है?

(ए) हाँ

(बी) नहीं

(सी) निश्चित नहीं

धन्यवाद

आपके समय और उत्तरों के लिए धन्यवाद। आपकी प्रतिक्रियाएँ हमारे अध्ययन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इस प्रश्नावली का उद्देश्य सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के अनुभवों और धारणाओं को समझना है, जिससे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से संबंधित मुद्दों पर गहराई से विचार किया जा सके।

इस अध्ययन का उद्देश्य आधुनिक भारत में सोशल मीडिया पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की स्थिति का समग्र विश्लेषण करना था। प्रश्नावली के माध्यम से प्राप्त आंकड़ों और उनके सांख्यिकीय विश्लेषण के आधार पर कुछ प्रमुख निष्कर्ष निम्नलिखित हैं:

1. सोशल मीडिया उपयोग का पैटर्न

- **उपयोगकर्ता प्रोफ़ाइल:** अधिकतर उत्तरदाता युवा आयु वर्ग (18-35 वर्ष) के थे और शहरी क्षेत्रों से संबंधित थे। महिलाओं और पुरुषों का प्रतिनिधित्व संतुलित था, लेकिन LGBTQ+ समुदाय का प्रतिनिधित्व कम था।
- **प्रमुख प्लेटफ़ॉर्म:** फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप सबसे अधिक उपयोग किए जाने वाले प्लेटफ़ॉर्म थे।
- **उपयोग के उद्देश्य:** समाचार और जानकारी प्राप्त करना, दोस्तों और परिवार से संपर्क करना, मनोरंजन और अपने विचार साझा करना प्रमुख उद्देश्य थे।

2. अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अनुभव और दृष्टिकोण

- **स्वतंत्रता की अनुभूति**: अधिकांश उत्तरदाताओं ने महसूस किया कि उन्हें सोशल मीडिया पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्राप्त है, लेकिन इस स्वतंत्रता के साथ कुछ सीमाएँ भी हैं।
- **नकारात्मक प्रतिक्रियाएँ:** कई उत्तरदाताओं ने सोशल मीडिया पर अपने विचार व्यक्त करने के कारण ट्रोलिंग, धमकियाँ और गाली-गलौज का सामना किया। यह विशेष रूप से संवेदनशील मुद्दों जैसे राजनीतिक, धार्मिक, जातिगत और लैंगिक मुद्दों पर होता है।

- **सीमाओं का अनुभव:** सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सीमित करने के प्रयास हो रहे हैं, ऐसा महसूस करने वाले उत्तरदाताओं की संख्या भी काफी थी।

3. हेट स्पीच और दुष्प्रचार के अनुभव

- **हेट स्पीच का सामना:** उत्तरदाताओं में से कई ने सोशल मीडिया पर हेट स्पीच का सामना किया, जो मुख्यतः धार्मिक, जातिगत, लिंग आधारित और लैंगिक पहचान आधारित थी।
- **फेक न्यूज़**: फेक न्यूज़ और दुष्प्रचार सोशल मीडिया पर एक बड़ी समस्या है। उत्तरदाताओं ने फैक्ट-चेकिंग वेबसाइट्स, स्रोत की विश्वसनीयता की जाँच और अन्य लोगों की राय लेकर फेक न्यूज़ की पहचान की।
- **प्लेटफ़ॉर्म नीतियाँ:** अधिकांश उत्तरदाताओं का मानना था कि सोशल मीडिया कंपनियाँ हेट स्पीच और दुष्प्रचार को रोकने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं कर रही हैं।

4. सामाजिक और सांस्कृतिक कारक

- **विभाजन:** सामाजिक और सांस्कृतिक विविधता के कारण सोशल मीडिया पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की स्थिति और भी जटिल हो जाती है। जाति, धर्म, और लैंगिक पहचान से जुड़े मुद्दों पर बोलने में उत्तरदाताओं को संकोच होता है।
- **साइबर उत्पीड़न:** विशेष रूप से महिलाओं और LGBTQ+ समुदाय के सदस्यों को साइबर उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है, जिससे उनकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सीमित होती है।

5. समाधान और सिफारिशें

- **शिक्षा और जागरूकता:** डिजिटल साक्षरता और सोशल मीडिया उपयोग के लिए शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिए ताकि उपयोगकर्ता फेक न्यूज़ और हेट स्पीच की पहचान कर सकें।
- **कानूनी सुधार:** अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को संरक्षित करने के लिए कानूनी सुधारों की आवश्यकता है, जिससे सरकार और सोशल मीडिया कंपनियों द्वारा अनावश्यक सेंसरशिप को रोका जा सके।
- **प्लेटफ़ॉर्म नीतियाँ:** सोशल मीडिया प्लेटफार्मों को अपनी कंटेंट मॉडरेशन नीतियों में पारदर्शिता और निष्पक्षता लाने की आवश्यकता है।
- **समुदाय समर्थन:** साइबर उत्पीड़न और हेट स्पीच का सामना करने वाले व्यक्तियों के लिए समर्थन नेटवर्क और हेल्पलाइन्स स्थापित की जानी चाहिए।
- **नागरिक सहभागिता:** नागरिकों को सोशल मीडिया पर जिम्मेदारी से और संवेदनशीलता के साथ संवाद करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

निष्कर्ष

आधुनिक भारत में सोशल मीडिया पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक जटिल और संवेदनशील मुद्दा है, जिसमें कानूनी, राजनीतिक, सामाजिक और तकनीकी कारकों का मिश्रण है। इस अध्ययन ने यह उजागर किया है कि सोशल मीडिया पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की स्थिति को बेहतर बनाने के लिए व्यापक और सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। डिजिटल साक्षरता, कानूनी सुधार, प्लेटफार्म नीतियों में सुधार और समुदाय समर्थन के माध्यम से ही इस मुद्दे का प्रभावी समाधान निकाला जा सकता है।